[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2482 **G**

Unique Paper Code : 2314002002

Name of the Paper : Making of Post-Colonial India (c. 1950-1990)

Name of the Course : **Generic Elective (GE) for Non-History Students**

Semester : III

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **four** questions in all.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. कुल चार प्रश्न कीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Is it correct to argue that the history of the Indian Constitution is equally a history of the rights of the citizen? Elaborate in the light of the recent studies on the Indian Constitution.

क्या यह तर्क सही है कि भारतीय संविधान का इतिहास नागरिक अधिकारों का इतिहास है? भारतीय संविधान पर हाल के अध्ययनों के प्रकाश में विस्तार से बताएं।

2. Discuss the historical and political context of the reorganisation of States in India after Independence.

स्वतंत्रता के बाद भारत में राज्यों के पुनर्गठन के ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भ की विवेचना कीजिए।

3. Discuss the role of the political parties in the democratic transformation of India in the first three decades of independence. Elaborate one of the following case studies :

(a) The Indian National Congress and One-Party Dominant System

(b) Left Parties and Political Radicalism

(c) Janta Party and the emergence of coalition politics.

स्वतंत्रता के पहले तीन दशकों में भारत के लोकतांत्रिक परिवर्तन में राजनीतिक दलों की भूमिका की विवेचना कीजिए। निम्नलिखित केस अध्ययनों में से एक को विस्तृत करें :

(अ) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और एक-पार्टी प्रभुत्व प्रणाली

(ब) वामपंथी दल और राजनीतिक कट्टरवाद

(स) जनता पार्टी और गठबंधन राजनीति का उद्भव।

4. Examine the salient features of the Non-Aligned Movement. To what extent was Nehru successful in adopting an anti-imperialist foreign policy?

गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिए। साम्राज्यवाद विरोधी विदेश नीति अपनाने में नेहरू किस हद तक सफल रहे?

5. What factors led to the adoption of the state-planned economic development in India? Discuss the impacts of the first two five-year plans on industrial and agricultural sectors.

भारत में राज्य द्वारा योजनाबद्ध आर्थिक विकास को अपनाने के लिए कौन से कारक जिम्मेदार थे? पहली दो पंचवर्षीय योजनाओं के औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों पर प्रभावों की विवेचना कीजिए।

6. Elucidate the political circumstances in India in the 1970s that led to the declaration of the Emergency of 1975-77.

1970 के दशक में भारत में उन राजनीतिक परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए जिनके कारण 1975-77 में आपातकाल-लागू हुआ।

OR / अथवा

Examine the factors that compelled the Government of India to replace a state-controlled economy with a more liberal economic development policy in the early 1990s. What were the diverse social responses to the economic liberalisation policies?

उन कारकों की जांच कीजिए जिन्होंने 1990 के दशक की शुरुआत में भारत सरकार को राज्य द्वारा नियंत्रित अर्थव्यवस्था को अधिक उदार आर्थिक विकास नीति से बदलने के लिए मजबूर किया। आर्थिक उदारीकरण नीतियों पर विविध सामाजिक प्रतिक्रियाएँ क्या थीं?

7. Discuss the social and economic issues related to industrialisation and agrarian reforms in the first four decades of Independence in India in any of the following contexts :

(a) Big dam projects and movements against displacement and loss of livelihood resources,

(b) Market-oriented agrarian reforms and peasant discontent

(c) Heavy industries and workers movements,

(d) Extraction of forest resources and peasant-women and Adivasi movements.

निम्नलिखित में से किसी एक संदर्भ में भारत में स्वतंत्रता के पहले चार दशकों में औद्योगीकरण और कृषि सुधारों से संबंधित सामाजिक और आर्थिक मुद्दों की विवेचना कीजिए :

(अ) बड़े बांध परियोजनाएं व विस्थापन और आजीविका संसाधनों के नुकसान के खिलाफ आंदोलन,

(ब) बाजार-उन्मुख कृषि सुधार और किसान असंतोष,

(स) भारी उद्योग और श्रमिक आंदोलन,

(द) वन संसाधनों का दोहन व किसान-महिलाएं और आदिवासी आंदोलन।

8. Critically assess the issues of democratic transformation in India after Independence based on any **one** of the following :

(a) Science and Technology,

(b) Visual Media and the concepts of Secularism,

(c) Literature and Democracy.

निम्नलिखित में से किसी **एक** के आधार पर स्वतंत्रता के बाद भारत में लोकतांत्रिक परिवर्तन के मुद्दों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए :

(अ) विज्ञान और प्रौद्योगिकी,

(ब) दृश्य (विजुअल) मीडिया और धर्मनिरपेक्षता की अवधारणाएं,

(स) साहित्य और लोकतंत्र।